THE TIMES OF INDIA

SCHOOLS OF THE FUTURE

HARYANA PROGRESSIVE SCHOOLS' CONFERENCE

CONSUMER CONNECT INITIATIVE

स्कूल्स की नई भूमिका पर हुआ विचार मंथन

अपनी तरह की अनूठी पहल में 300 से ज्यादा स्कूल और एजुकेशन इंस्टिट्यूशंस ने साथ आकर क्वालिटी एजुकेशन को बढ़ावा देने के अवसरों पर विचार विमर्श किया

[illegible]

गेस्ट स्पीकर्स के अलावा, इस कॉन्क्लेव में दो सत्रों का आयोजन किया गया। इसके पहले सत्र में टीचर्स ने अपनी बात रखी और दूसरे सत्र में [illegible]

"[illegible]"

अनुराग त्रिपाठी, सेक्रेटरी, सीबीएसई

"पैरेंट्स और टीचर्स के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे असामान्य स्थितियों से निपटने में स्टूडेंट्स की मदद करें, उदाहरण के लिए आप महामारी को ले सकते हैं। उनके जीवन में चीजें अच्छी चल रही होती हैं और फिर अचानक ऐसी स्थितियां बनती हैं, जिससे उनके जीवन की बदलाव आ जाता है। उस समय अगर बच्चों के पास इससे निपटने की क्षमता नहीं होती है, तो उन्होंने जीवन में जो कुछ भी सीखा है, उसका कोई मतलब नहीं रह जाता।"

सिस्टर बीके शिवानी, स्पिरिचुअल गाइड और मेंटर

[illegible] एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड ने अपना सहयोग दिया। इस कार्यक्रम को अदित्य होम्स, जेबी पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, एपीजे सत्य यूनिवर्सिटी और वीजी ऑटो कंपोनेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का भी पूरा समर्थन मिला।

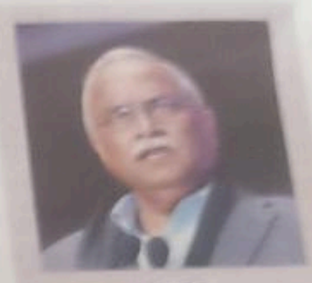

"[illegible]"

"किसी भी राष्ट्र के विकास और प्रगति के लिए दो पेशे बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसमें पहला हेल्थ और दूसरा एजुकेशन है। इन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। दोनों ने ही महामारी के दौरान बेहतर तरीके से काम किया।"

प्रो. (डॉ.) परमजीत जसवाल, वाइस चांसलर, एसआरएम यूनिवर्सिटी

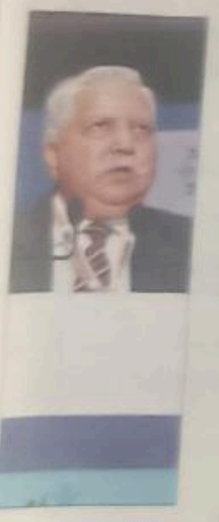

"अधिकांश एचपीएससी सदस्य स्कूलों ने संस्थानों के निर्माण और सकारात्मक स्कूल की संस्कृति को प्रभावशाली बनाने में 40 साल या उससे अधिक का अनुभव लगाया है। मैं उन सभी प्रभावशाली एजुकेटर्स की सराहना करता हूं, जो टीचर्स, स्टाफ और स्टूडेंट्स के लिए कुछ अलग करने, उन्हें प्रोत्साहित करने और सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए प्रेरित करने में मदद कर रहे हैं।"

दीपिन राव, वीसी, शारदा ग्रुप ऑफ स्कूल्स और स्टेट सिक्रेट्री, एचपीएससी

"स्कूल और हायर एजुकेशनल लेवल पर वोकेशनल एजुकेशन को मेनस्ट्रीम एजुकेशनल लेवल के साथ लाने पर एनईपी विशेष ध्यान देता है। ऐसे में डिग्री बेस्ड एजुकेशन की जगह अब स्किल बेस्ड एजुकेशन पर काफी जोर दिया जा रहा है।"

आशीष माहेश्वरी, डायरेक्टर, केपीएमजी इन इंडिया

"हायर एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन्स एक फलने फूलने वाले सिस्टम से जुड़ने और इसे साझा करने में मदद कर सकते हैं, जिससे स्टूडेंट्स को सफलता का रास्ता मिल जाएगा। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि सभी एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन्स का उद्देश्य व्यक्तिगत तौर पर स्टूडेंट को सफल बनाना है।"

पुष्पा जोशी, डिप्टी डायरेक्टर, जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी

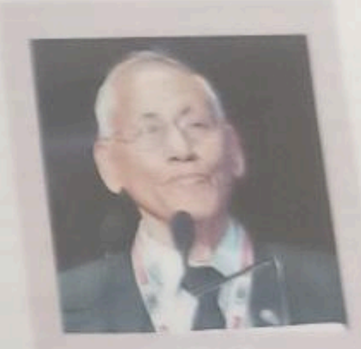

"एजुकेशन भविष्य में सफलता हासिल करने का पासपोर्ट होता है। कल वही बेहतर कर सकेंगे, जो आज पक्की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में एजुकेशनिस्ट्स को खुद पर गर्व होना चाहिए कि हम आज युवाओं को यह पासपोर्ट दे पा रहे हैं। हमारे एजुकेशनिस्ट्स ने न केवल मेधावी बल्कि आईआईटी, पीएमटी, एनडीए, एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज, डिफेंस सर्विसेज और जीवन के अन्य क्षेत्रों के टॉपर्स तैयार करके कई मील के पत्थर स्थापित किए हैं। हमारे युवा एजुकेशन आंत्रेप्रेन्योर्स ने लेटेस्ट टेक्नोलॉजी को एजुकेशन से जोड़ा है और शिक्षा के स्तर को दुनिया भर में किसी भी जगह चल रही शिक्षा की तुलना में बेहतर बनाया है।"

एस एस गुसाईं, प्रेसिडेंट, हरियाणा प्रोग्रेसिव स्कूल कॉन्फ्रेंस

"अपने देश की भावी पीढ़ियों को तैयार करने वाले इस नेक पेशे में हम सब शामिल हैं। जहां देश 'विश्व गुरु' बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, वहीं हम देश की नींव को मजबूत बनाकर इस सपने को साकार करने के लिए प्रयास कर रहे हैं।"

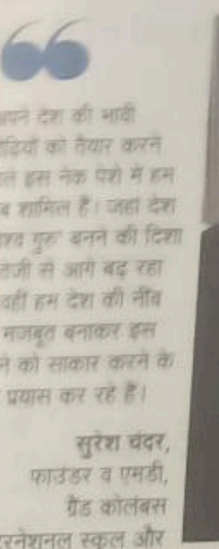

सुरेश चंदर, फाउंडर व एमडी, ग्रैंड कोलंबस इंटरनेशनल स्कूल और सीनियर वीपी, एचपीएससी

"पढ़ाई की तरफदारी करना सम्मान की बात है, जो अपने आप में काफी शक्तिशाली है। एजुकेशन परफेक्शन को हासिल करने का रास्ता आपके लिए पूरी दुनिया को खोल देने वाली चाबी है। इस पर ध्यान देने की जरूरत है।"

सिनी शेट्टी, फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2022

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति यूनिवर्सिटी लेवल पर स्टूडेंट्स को एंट्री और एग्जिट के कई विकल्प देगी, ताकि वो जितना चाहें उतनी पढ़ाई कर सकें। इसमें उनके स्किल डिवेलपमेंट, रिसर्च और इंटर्नशिप पर भी काफी जोर दिया जा रहा है।"

प्रो. (डॉ.) रेखा सेठी, प्रिंसिपल, इंद्रप्रस्थ कॉलेज ऑफ वुमन

"भारत में इंटरनैशनल एजुकेशन की डिमांड अपने चरम पर है। ऐसे में, आईडीपी की इंटरनैशनल एजुकेशन एक्सपर्टीज सहयोगी स्कूलों को बेहतर ग्लोबल सिटीजन बनाने में मदद कर सकती है।"

राहुल कुमार, डायरेक्टर – सेल्स एंड ऑपरेशन फॉर नार्थ ऐंड ईस्ट इंडिया, आईडीपी एजुकेशन

"सही सोच जरूरी होती है, लेकिन बोलना शक्तिशाली होता है। हमारा अवचेतन मन बहुत महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि हम इसमें जो कुछ भी डालते हैं, वही हमारी आवाज बनकर बाहर आता है। इसलिए, बच्चों को एक-दूसरे का सम्मान करना सिखाना जरूरी है।"

डॉ. शंकर गोयनका, लेखक, टेड एक्स स्पीकर और वॉव फैक्टर्स के एमडी

"एचपीएससी सदस्य स्कूल सामाजिक दायित्वों और प्रशासनिक दक्षता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं, जो स्टेडेंट्स के पढ़ाई की क्वालिटी को बढ़ावा देने के साथ उनके हितों की रक्षा भी करते हैं।"

डॉ. सुमित वर्मा, डायरेक्टर, डायनेस्टी इंटरनैशनल स्कूल

"एनईपी देश को रोड मैप पर लाने की दिशा में एक शानदार कदम है, जहां अगर हम इसका फायदा लेते हैं, तो हम अपने डेमोग्राफिक डिविडेंट का लाभ उठाने में सक्षम हो जाएंगे।"

विनीत टंडन, डायरेक्टर, ग्लोबल मार्केटिंग टैलेंट, एचसीएल टेक

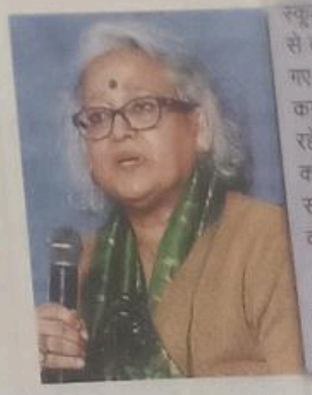

"स्कूल के नजरिए से बहुत सारे अवसर खुल गए हैं। अब तक स्टूडेंट्स कम्यूनिटी की सेवा नहीं कर रहे थे। रिटायर्ड प्रफेशनल्स को समय मिल जाए, तो वह स्टूडेंट्स को जीवन से जुड़े कौशल सिखा सकते हैं।"

अदिति मिश्रा, डायरेक्टर प्रिंसिपल, दिल्ली पब्लिक स्कूल, गुड़गांव